http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 158

प्रयागराज रविवार 23 फरवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

देश के प्रथम बायोपॉलिमर संयंत्र का सीएम योगी ने किया शिलान्यास

बोले, यह अपनी तरह का देश का पहला निवेश

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कुंभी चीनी मिल परिसर में बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा 2850 करोड़ रुपये की लागत से देश के पहले बायोपॉलिमर संयंत्र का शिलान्यास किया। योगी ने कहाकि सरकार ने देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट का जो एमओयू किया था, उसे आज जमीनी धरातल पर उतारा गया है। यह अपनी तरह का देश का पहला निवेश है। यहां बनने वाली बोतल, प्लेट, कप और कैरी बैग्स पूरी तरह से डिस्पोजेबल होंगे और महज तीन महीने में खुद ही मिट्टी में मिल जाएंगे। उन्होने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश के महाकुम्भ में भागीदार बनने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 22 फरवरी तक अब तक 60 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां से गोला गोकर्णनाथ और फिर प्रयागराज जाऊंगा, लेकिन कुंभी में ही मुझे महाकुंभ दिख गया। यह निवेश का महाकुंभ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह संयंत्र भारत का पहला इंटीग्रेटेड यूनिट होगा। इससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। यूपी सरकार यहां के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए प्लांट के साथ एमओयू करेगी, जिससे पढ़ाई कर रहे छात्र सीधे रोजगार से जुड़ सकें। योगी ने पर्यावरण संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण असमय बारिश और सूखे जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जीरो लिक्विड डिस्चार्ज तकनीक को अपनाकर नदियों और नहरों को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रही है। यूपी में 45 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव आया है। अब तक 15 लाख करोड़ का निवेश हो चुका है और 3 से 5 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं। इससे 7 से 8 लाख युवाओं को नौकरी भी मिल चुकी है। उन्होने कहा कि संयंत्र पाली लैक्टिक एसिड (पीएलए)आधारित बायोप्लास्टिक का उत्पादन करेगा, जिससे पर्यावरण–अनुकूल उत्पाद जैसे डिस्पोजेबल बोतलें, खाद्य ट्रे, कटलरी, आइसक्रीम कप और कैरी बैग बनाए जाएंगे। इस प्लास्टिक की विशेषता यह होगी कि यह 3 से 6 महीनों में स्वयं ही मिट्टी में घुलकर नष्ट हो जाएगा, जिससे प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र शून्य–तरल अपशिष्ट के सिद्धांत पर भी काम करेगा, जिससे कोई भी हानिकारक अपशिष्ट नदियों या नालों में नहीं बहेगा। इसके साथ ही, इस परियोजना से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और चीनी उद्योग में नई संभावनाएं खुलेंगी। मुख्यमंत्री ने बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड से संयंत्र को आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्थानीय महाविद्यालयों से जोड़ने के लिए कहा, जिससे यहां के युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संयंत्र पर्यावरण संरक्षण, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

'सब चंगा सी' का ढोल पीटने से ही फुर्सत नहीं,

शिवराज के ट्वीट को लेकर कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भोपाल से दिल्ली जाते समय टूटी सीट आवंटित होने पर एयर इंडिया की आलोचना की। उन्होंने इस मुद्दे पर चिंता जताई और कहा कि मामला बैठने में उनकी असुविधा के बारे में नहीं है, बल्कि यात्रियों को असुविधाजनक सीटों पर बैठाना अनैतिक है। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट भी किया। अब इसी पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने शिवराज के बहाने मोदी सरकार पर निशाना साधा है और हर सेक्टर का भट्ठा बैठाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने हर सेक्टर का भट्ठा बैठा दिया है। रेल में यात्री परेशान हैं। प्लेन में यात्री परेशान हैं। लोग शिकायत करते रहते हैं, वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। एक्स पोस्ट में कहा गया है कि अब शिवराज जी को दिक्कत हुई है तो ट्वीट कर रहे हैं, हो सकता है इसपर एक्शन भी लिया जाए। लेकिन हालात सुधरने वाले नहीं हैं, क्योंकि कोई भी सिस्टम ऊपर से ठीक होता है। और ऊपर तो 'सब चंगा सी' का ढोल पीटने से ही फुर्सत नहीं. लोग परेशानी झेलते हैं। शिवराज ने इससे पहले अपने पोस्ट में लिखा था कि आज मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक ।प436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8ब आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं। उन्होंने आगे कहा कि सहयात्रियों ने मुझे बहुत आग्रह किया कि मैं उनसे सीट बदल कर अच्छी सीट पर बैठ जाऊं लेकिन मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा। मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला।

आरोपों का सामना कर रहे मंत्रियों को इस्तीफा दे देना चाहिए : अन्ना हजारे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शुक्रवार को कहा कि आरोपों का सामना कर रहे मंत्रियों को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। विपक्षी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्रियों धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकटे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बीड के परली से विधायक मुंडे विपक्ष और सत्तारूढ़ महायुति के कुछ सहयोगियों के निशाने पर हैं, क्योंकि उनके करीबी

सहयोगी वाल्मीक कराड को जबरन वसूली के मामले में नौ दिसंबर को बीड के मसाजोग में सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और नृशंस हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। कोकटे को बृहस्पतिवार को नासिक की एक अदालत ने 1995 के एक मामले में दो साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इस मामले में उन पर सरकारी कोटे के तहत फ्लैट पाने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा करने का आरोप लगाया था। हजारे ने नाम लिए बिना कहा, अगर किसी मंत्री पर आरोप लगे हैं, तो उनके लिए एक मिनट भी कैबिनेट में बने रहना अनुचित होगा।

महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने में में रेलवे की अग्रणी भूमिका

तीर्थयात्रियों ने 14 हजार से ज्यादा ट्रेनों का लिया लाभ अभी तक 3.6 करोड़ श्रद्धालुओं को कुंभ एरिया में हैंडल किया गया 92ः ट्रेनें मेल, एक्सप्रेस, सुपर–फास्ट, पैसेंजर और मेमो श्रेणी की रहीं, जबकि 472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हुईं 50ः ट्रेनें उत्तर प्रदेश से शुरू हो के प्रयागराज एरिया को आयी जबकि दिल्ली से 11ः, बिहार से 10ः और महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान व गुजरात जैसे अन्य राज्यों से 3–6ः ट्रेनें आईं

नई दिल्लीः आस्था के महासागर प्रयाग तीर्थ के संगम तट पर चल रहे महाकुंभ के विराट आयोजन में ऐसे तो तमाम विभागों और एजेंसियों ने अपनी–अपनी भूमिकाओं का निर्वाह किया, लेकिन इसमें रेलवे की भूमिका निसंदेह अग्रणी है। इस विशाल आयोजन में रेलवे ने जिस तरह पूरे देश भर से तीर्थयात्रियों को प्रयाग की पुण्यभूमि तक पहुंचने में मदद की, वह न सिर्फ अभूतपूर्व है, बल्कि रेल संचालन की दृष्टि से कई मामलों में अनोखा रिकार्ड भी बना है। हालांकि महाकुंभ अब समापन की ओर है, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक करीब डेढ़ माह के इस आयोजन में 12 से 15 करोड़ तीर्थयात्रियों ने ट्रेन यात्रा का लाभ कही ना कन्ही उठाया। दूसरे शब्दों में महाकुंभ के करीब एक चौथाई तीर्थयात्रियों ने प्रयागराज या अगल बगल के प्रमुख शहरों तक पहुंचने में ट्रेनों की ही मदद ली। इस बार प्रयागराज के महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के संकल्प को पूरा करने में रेलवे ने आगे बढ़कर भूमिका निभाई। यह बताने की जरूरत नहीं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले अपने देश में रेलवे पर कितना दवाब है। ऐसे में महाकुंभ के आयोजन से बहुत पहले से ही रेलवे अपनी कार्ययोजना को मूर्त रूप देने में जुट गया था। इसके तहत देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्रियों की अनुमानित संख्या के हिसाब से ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई गई। साथ ही महाकुंभ को दौरान भीड़ बढ़ने की स्थिति में आपात योजना भी बनाई गई। आम दिनों में ट्रेनों में रहने वाली भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने इसके लिए विशेष उपायों को अपनाया। इसके तहत किसी एक रूट, ट्रेन या बड़े स्टेशन पर दवाब को हटाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। तीर्थयात्रियों की संख्या और मांग के अनुरूप एक के बाद एक विशेष ट्रेनें चलाई गईं। यह आंकड़ा थोड़ा विस्मित भी करता है कि महाकुंभ की शुरुआत से लेकर अब तक 13,667 ट्रेनें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज और उसके अन्य स्टेशनों तक पहुंचीं। इनमें 3,468 विशेष ट्रेनों की सुरुअत कुंभ एरिया से हुई, एवं 2008 ट्रेनों कुंभ एरिया बाहर से आयी, बाकी 8,211 नियमित ट्रेनें थीं। शहर में प्रयागराज समेत कुल नौ स्टेशन हैं, जहां ट्रेनों का आवागमन हुआ। अकेले प्रयागराज स्टेशन पर ही पांच हजार ट्रेनें का लाभ श्रद्धालुओं को मिला ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास में भेंट की और दिल्ली में सुशासन और विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ इस भेंट की जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट की।

श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा, "आज प्रधानमंत्री आवास में यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट की। आपके मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार लोक कल्याण और सुशासन के पथ पर चलते हुए दिल्लीवासियों के सपनों को एक विकसित दिल्ली में बदलने को प्रतिबद्ध है।" श्रीमती रेखा गुप्ता (50) दिल्ली विधान सभा चुनाव में निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों की बुधवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुनी गयी। उन्हें 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।

आतिशी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

महिलाओं के लिए 2500 रुपये की योजना पर बैठक की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप विधायक आतिशी ने शनिवार को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर आप विधायक दल से मिलने के लिए समय मांगा। सीएम को लिखे अपने पत्र में, आतिशी ने दिल्ली की महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता पर चर्चा के लिए उनसे मिलने

के लिए कहा है, जिसका वादा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान 31 जनवरी 2025 को दिल्ली में आयोजित एक रैली में दिल्ली की माताओं और बहनों से वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में उनके लिए 2500 रुपये प्रति माह की योजना पारित की जाएगी। उन्होंने कहा था– ये मोदी की गारंटी है। आतिशी ने आगे कहा कि वादे के बावजूद, 20 फरवरी को हुई नवगठित दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, षदिल्ली की माताओं और बहनों ने पीएम मोदी द्वारा दी गई गारंटी पर विश्वास किया था और अब वे ठगा हुआ महसूस कर रही हैं।ष उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी का विधायक दल कल 23 फरवरी 2025 को आपसे मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहता है। मैं दिल्ली की लाखों महिलाओं की तरफ से आपसे अनुरोध करती हूं कि आप अपने शेड्यूल से कुछ समय निकालकर हमें आपसे मिलने का मौका दें ताकि हम इस योजना पर ठोस कार्रवाई करने के लिए आपके सामने अपनी बात रख सकें। इससे पहले आतिशी ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि दिल्ली सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में शहर की महिलाओं को 2,500 रुपये मानदेय देने की योजना पर मुहर क्यों नहीं लगाई। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने नवगठित भाजपा सरकार पर "महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे को पूरा नहीं कर पाने" का आरोप लगाया। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली चुनाव से पहले मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया था कि पहली ही कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी जाएगी।

मोदी रविवार से मध्य प्रदेश, बिहार, असम के तीन दिन के दौरे पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 से 25 फरवरी तक मध्य प्रदेश, बिहार और असम का दौरा करेंगे और इन राज्यों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा कई परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी कल मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अपराह्न करीब दो बजे बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखेंगे। श्री मोदी सोमवार सुबह 10 बजे भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन करेंगे और वहां से बिहार में भागलपुर जाएंगे। वह वहां करीब 2रू15 बजे पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे तथा बिहार में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गुवाहाटी जाएंगे और शाम करीब छह बजे झुमोर बिनंदिनी (मेगा झुमोर) 2025 कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री मोदी 25 फरवरी को सुबह करीब 10रू45 बजे गुवाहाटी में "एडवांटेज असम 2.0" निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करेंगे। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान की ओर से प्रस्तावित 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाला कैंसर अस्पताल वंचित कैंसर रोगियों को मुफ्त उपचार प्रदान करेगा और अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित होगा तथा इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर होंगे। भोपाल में दो दिवसीय वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) 2025 में फार्मा और चिकित्सा उपकरण, परिवहन और रसद, उद्योग, कौशल विकास, पर्यटन और एमएसएमई आदि पर विशेष सत्र शामिल होंगे। इस दौरान दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील और अल्प विकसित देशों पर केंद्रित सत्र, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन सत्र और प्रमुख भागीदार देशों के लिए विशेष सत्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय सत्र भी आयाजित किए जाएंगे। समिट के दौरान ऑटो शो, टेक्सटाइल और फैशन एक्सपो तथा 'एक जिला–एक उत्पाद' (ओडीओपी) गांव राज्य की अनूठी शिल्पकला और सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की 'समय–सीमा' बदलते हैं : अखिलेश यादव

जनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किये जाने के सरकार के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की 'समय–सीमा' बदलते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की 'समय–सीमा' बदलते हैं, देश–प्रदेश का भविष्य नहीं।" उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "2021 में भाजपाइयों ने कहा था कि 2024 तक उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर (एक हजार अरब डॉलर) की हो जाएगी और अब 2025 में कह रहे हैं, 2029 में उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी।" यादव ने कहा, "जनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा है। झूठ भाजपा का पर्याय बन गया है। जनमानस कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्ध्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ रागिनी सोनकर के सवालों का जवाब देते हुए योगी ने कहा, "पिछले आठ वर्ष की डबल इंजन की सरकार के प्रयास से यह दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और 2029 में उप्र एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था भी बनेगा, इस बात के लिए पूरे सदन को आशध्वस्ध्त करता हूं।"

सम्पादकीय

ट्रम्प का भारत विरोधी रवैया साफ

डोनाल्ड ट्रम्प को अमेरिका के राष्ट्रपति का पद सम्हाले हुए अभी एक ही माह हुआ है और उनका भारत विरोधी रवैया साफ हो चला है। अमेरिका की ओर से भारत का सतत अपमान तो हो ही रहा है, अब उसकी मदद रोककर यह संकेत दे दिया गया है कि अमेरिका के भारत के साथ वैसे सम्बन्ध नहीं रहेंगे जैसे पहले कभी होते थे। अधिक अपमानजनक तो यह है कि अमेरिका के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के लिये भारत लगातार झुकता चला जा रहा है और अमेरिका है कि नरम पड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है। वह एक के बाद एक भारत विरोधी निर्णय लेता जा रहा है। भारत को लेकर ट्रम्प का रुख वैसे तभी स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया था। उनकी बजाये उद्योगपति मुकेश अंबानी को सपत्नीक तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर को आमंत्रित कर एक तरह से मोदी का अपमान ही किया गया था। वैसे बताया जाता है कि जयशंकर को कुछ दिनों तक अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में डेरा डालना पड़ा था पर ट्रम्प ने भारतीय प्रधानमंत्री को नहीं बुलाया सो नहीं ही बुलाया। इसके बाद भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के साथ मुलाकात को लालायित मोदी ने अमेरिका का दौरा कर ही लिया। पिछले हफ्ते वे उनसे मिलकर आये हैं। ट्रम्प के साथ निजी मित्रता का दावा करने वाले मोदी जब अमेरिका जा रहे थे तभी अमेरिका ने पहली खेप के रूप में वहां रह रहे 104 गैरकानूनी अप्रवासी भारतीयों को सैन्य जहाज में हथकड़ी–बेड़ियों में बांधकर अमृतसर भेज दिया। लोगों को उम्मीद थी कि मोदी इस बाबत कड़े शब्दों में न केवल विरोध जताएंगे वरन यह सुनिश्चित करेंगे कि कम से कम अब आगे आने वाले भारतीय ऐसे अपमानजनक तरीके से नहीं भेजे जायेंगे। वैसे पिछली बार अमेरिका ने जब इस तरह से भारतीयों को भेजा तब भारत में भारतीय जनता पार्टी व सरकार का एक बड़ा समर्थक वर्ग उस कार्रवाई को यह कहकर जायज ठहरा रहा था कि अमेरिका अपने देश के नियमों का पालन कर रहा है तो इसमें गलत ही क्या है। इतना ही नहीं, जयशंकर ने भी संसद में इस पर अपना बयान देकर अमेरिका का समर्थन किया था। हालांकि उस वक्त यह बात भी सामने आई थी कि कोलम्बिया व मैक्सिको जैसे छोटे देश, जो अमेरिका के पड़ोसी भी हैं, अपने नागरिकों को सम्मानपूर्वक वापस लाए थे। अपने ही नागरिकों के प्रति भारत सरकार के इस रवैये से सम्भवतरू ट्रम्प प्रशासन का हौसला बढ़ा होगा तभी उसने शनिवार की रात फिर से 116 भारतीय उसी तरीके से भेजे। जैसा कि पहले ही घोषित किया जा चुका है कि अमेरिका ने ऐसे तकरीबन 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है जो क्रमवार भारत आयेंगे। भारत की प्रतिष्ठा को किस कदर चोट पहुंचेगी और उसकी छवि दुनिया भर में क्या बनेगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। साफ है कि ट्रम्प इस मामले में भारत के साथ कोई रहमदिली नहीं दिखाने जा रहे हैं। ट्रम्प मानों इतने भर से संतुष्ट नहीं हैं जो उन्होंने अमेरिका द्वारा भारत को दी जाने वाली 21 मिलियन डॉलर की सहायता पर भी रोक लगा दी। दरअसल उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के फैसले को मंजूरी दी है जिसने इस आशय की सिफारिश की है। एक प्रेस काफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि श्भारत के पास बहुत पैसा है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। अमेरिका के लिये वहां व्यवसाय करना मुश्किल है क्योंकि उसके शुल्क बहुत हैं।श उनका कहना था कि भारत की आर्थिक वृद्धि तथा विदेशी व्यापार की ऊंची शुल्क दरों के चलते भारत को अमेरिकी करदाताओं का पैसा देने की आवश्यकता नहीं है।उल्लेखनीय है कि डीओजीई की अध्यक्षता दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी व ट्रम्प के नजदीकी एलन मस्क करते हैं। उन्होंने एक्स पर इस कटौती की घोषणा की जो भारत को बड़ा झटका है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अपने अमेरिकी दौरे पर मोदी मस्क से उनके परिजनों के साथ मिले थे और दोनों के बीच सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में चर्चा भी हुई थी। मस्क ने भारत के साथ लाइबेरिया में भी मतदाताओं का राजनीतिक प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाने के सम्बन्धी गतिविधियों के लिये दी जाने वाली लगभग इतनी ही सहायता राशि तथा नेपाल को जैव विविधता के संरक्षण हेतु आवंटित किये जाने वाले धन को भी रोक दिया है। मस्क ने इन सभी को गैरजरूरी खर्च बतलाया है। अमेरिका से मिल रहे ये सारे संकेत भारत के लिये बहुत बुरे कहे जा सकते हैं। ट्रम्प ने एक ओर तो मोदी से उस समझौते पर हस्ताक्षर करा लिये जिसके अंतर्गत भारत अमेरिका से प्राकृतिक गैस व तेल (जो कि महंगी दर पर होगा) तथा एफ–35 लड़ाकू विमान खरीदेगा, जो पुरानी पड़ चुकी तकनीक पर आधारित है व जिसे मस्क कबाड़ बताते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ भारत में अमेरिकी कम्पनी टेस्ला की व्यवसायिक गतिविधियां प्रारम्भ होने जा रही हैं, जिसके मालिक एलन मस्क ही हैं। मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के सामने एक तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है।

एक तीर, निशाने कई : वंशवादी सियासत में लिप्त दलों पर प्रहार, भाजपा बिहार में दिल्ली का रणनीतिक लाभ उठाएगी

❍ रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई लक्ष्य साधे हैं। इससे महिलाएं भाजपा की ओर तो आकर्षित होंगी ही,ध्वंशवादी राजनीति करने वाली पार्टियों पर भी निशाना साधा गया है। बिहार समेत अन्य आसन्न राज्य विधानसभा चुनावों में भी भाजपा इसका रणनीतिक लाभ उठाएगी।

आर. राजगोपालन

हरियाणा के जींद जिले में पैदा हुईं रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साथ कई लक्ष्यों पर निशाना साधा है। उनके इस निर्णय ने सबको चौंका दिया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कट्टर स्वयंसेवक और वह भी महिला, विकसित दिल्ली की कमान संभाल सकती है। एक महिला को दिल्ली की सत्ता की कमान सौंपने से भाजपा की आगामी रणनीतियों का भी पता चलता है, जिसेध्वह राष्ट्रीय स्तर पर भुनाने का प्रयास करेगी। यह वंशवाद की राजनीति करने वाली विपक्षी पार्टियों पर सीधा प्रहार है। भाजपा ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के उस कथन को सही साबित किया है, 'भाजपा एक अलग पार्टी है।' आडवाणी की बात से सीख लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को चुनौती दी है कि उसने कब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) या दलित परिवार को सम्मान दिया, जबकि एक ही परिवार से मां, बेटा और बेटी सांसद बनी हुई हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का चयन समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजदध्के तेजस्वी यादव और आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल पर भी सीधा प्रहार है।

स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा के चुनाव के दौरानध्अपने इस निर्णय को भुनाएंगे। भारतीय जनता पार्टी की ओर महिलाओं को आकर्षित करने के लिए और उन्हें सशक्त बनाने के लिए रेखा गुप्ता को एक उदाहरण के तौर पर उद्धृत किया जाएगा। इसके साथ ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी यह संदेश देते आए हैं कि विकसित भारत के सपने को साकार करने और राजनीति से भ्रष्टाचार व वंशवाद को खत्म करने के लिए युवाओं का राजनीति में आना जरूरी है। इसके साथ ही आरएसएस के शताब्दी वर्ष के समारोह में रेखा गुप्ता का दिल्ली की मुख्यमंत्री के तौर पर चयन भाजपा का आरएसएस को रिटर्न गिफ्ट भी है। यह भी संयोग ही है कि जिस दिन दिल्ली की मुख्यमंत्री के लिए रेखा गुप्ता के नाम का एलान किया गया, उसी दिन दिल्ली में आरएसएस के बहुमंजिला मुख्यालय का भी उद्घाटन हो रहा था। झंडेवालान स्थित आरएसएस मुख्यालय केशव कुंज में हुए कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी भी मौजूद थे।

अब दिल्ली विधानसभा की परिकल्पना करें, तो उसमें महिलाओं का बोलबाला होगा। सत्ताधारी दल की कमान एक महिला कोध्सौंपी जा चुकी है। उम्मीद है कि आतिशी नेता प्रतिपक्ष के पद की शोभा बढ़ाएंगी, जो इससे पहले मुख्यमंत्री थीं। मतलब साफ है कि विधानसभा में रेखा बनाम आतिशी की टक्कर होगी। भाजपा से दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं रेखा गुप्ता की पृष्ठभूमि को देखें, तो पहली बातध्यह कि उनके परिवार से अन्य कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में नहीं है। दूसरी बातध्रेखा गुप्ता बीते करीब 32 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी हुई हैं। वह सुषमा स्वराज के बाद मजबूत महिला चेहरा बनकर उभरी हैं। उनका संबंध हरियाणा के जींद जिले से है और आरएसएस की समर्पित स्वयंसेवक रही हैं। वह अपने विद्यार्थी जीवन में ही आरएसएस के आनुषंगिक छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ गई थीं। वह दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संगठन की महासचिव और अध्यक्ष बनीं। वह दो बार दिल्ली नगर निगम में पार्षद रहीं, तो दक्षिण दिल्ली नगर निगम की महापौर भी रह चुकी हैं। दिल्ली भाजपा की महासचिव पद के अलावा राष्ट्रीय इकाई में भी वह कई दायित्वों को सफलतापूर्वक निभा चुकी हैं। वर्ष 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से उन्होंने आम आदमी पार्टी की वंदना कुमारी को 29,595 मतों के बड़े अंतर से हराया था।

रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाए जाने को राजनीतिक हलकों में ऐतिहासिक रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि देश भर में भाजपा और उसके सहयोगियों की जहां भी सरकार है, उनमें से वह पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। इसके अलावा, रेखा गुप्ता की राजनीति में जमीनीध्स्तर पर सक्रियता, संगठनात्मक कौशल और शालीमार बाग से बड़ी जीत उनके मुख्यमंत्री पद पर पहुंचने के बड़े आधार बने। उनकी पहचान सामुदायिक विकास, महिला सशक्तीकरण और शैक्षिक सुधारों पर जोर देने के लिए भी होती है। भारतीय जनता पार्टी ने रेखा गुप्ता के बहाने न केवल दिल्ली की महिलाओं को साधा है, बल्कि अब आगामी चुनावों में उसका पूरा फोकस आधी आबादी पर होने जा रहा है। बिहार के लिए भाजपा ने अपनी पूरी बिसात बिछा दी है। इसके बाद अगले साल के मध्य तक तीन प्रमुख राज्यों–पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु का नंबर है, उनमें भी भाजपा बड़ी बढ़त हासिल करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए रेखा गुप्ता के ऊपर काफी दारोमदार होगा कि वह अपनी पार्टी के एजेंडे में कैसे फिट बैठती हैं।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं को ढाई हजार रुपये देने और यमुना की सफाई जैसे अनेक वादे किए गएध्हैं। इनमें महिलाओं को प्रत्यक्ष तौर पर रुपये देने का वादा राष्ट्रीय फलक पर असर छोड़ेगा। यदि भाजपा अपने किए गए वादे के अनुसार, महिलाओं के खाते में हर माह रुपये भेजना शुरू कर देती है, तो निश्चित रूप से इसका बड़ा संदेश जाएगा, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में देश भर के लोग रहते हैं। उनमें लाभान्वित होने वालों में सबसे ज्यादा पूर्वी क्षेत्र यानी बिहार औरध्बंगाल के लोग ही होंगे, जहां आगामी वर्षों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा की योजना में बिहार और बंगाल के लिए भी महिलाओं को लुभाने वाले वादे जरूर होंगे, क्योंकि भाजपा शासित अन्य राज्यों, जैसे–ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में पहले से ही महिलाओं को एक निश्चित सम्मान राशि प्रदान की जा रही है। दिल्ली में भी वह महिलाओं को सम्मान राशि देकर जरूर साबित करना चाहेगी कि वह जो गारंटी देती है, उसे पूरा करती है।

मन को भीतर-बाहर भटकने से रोकें, दिल रहे साफ

❍ यदि किसी कारण से इंद्रियां नष्ट हो जाएं, तो आंख और कान रहने पर भी न तो हमें कुछ दिखेगा और न कुछ सुनाई देगा। इसलिए मन पर नियंत्रणध्सेध्पहले इंद्रियों पर संयम करना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद

ज्ञानयोग के दीक्षार्थी के लक्षणों में पहला स्थान 'शम' और 'दम' का है और इन दोनों को एक साथ लिया जा सकता है। इंद्रियों को उनके केंद्रों में स्थिर रखना और उन्हें बहिर्मुख न होने देने का नाम है 'शम' तथा 'दम'। अब मैं तुम्हें 'इंद्रिय' शब्द का अर्थ समझाता हूं। ये आंखें हैं, लेकिन ये दर्शनेंद्रिय नहीं हैं। ये तो केवल देखने का यंत्र मात्र हैं। जिसे दर्शनेंद्रिय कहते हैं, वह यदि मुझमें न हो, तो बाहरी आंखें होने पर भी मुझे कुछ दिखाई न देगा। किंतु यदि देखने का साधन ये बाहरी आंखें मुझमें हैं और दर्शनेंद्रिय भी मौजूद है, लेकिन मेरा मन उनमें नहीं लगा है, ऐसी दशा में मुझे कुछ नहीं दिख सकेगा। इसलिए यह स्पष्ट है कि किसी भी चीज के प्रत्यक्ष के लिए तीन बातें आवश्यक हैं। वे हैं बहिरिंद्रिय, अंतरिंद्रिय और अंत में मन। इन तीनों में से अगर एक भी विद्यमान न हुई, तो वस्तु का प्रत्यक्ष न होगा। इस प्रकार मन की क्रिया बाह्य तथा आंतर, इन दो साधनों द्वारा हुआ करती है। जब मैं कोई वस्तु देखता हूं, तो मेरा मन बाहर जाकर बहिकृत हो जाता है, किंतु जब मैं आंख बंद कर लेता हूं और सोचने लगता हूं, तो मन फिर बाहर नहीं जाता, वह भीतर ही काम करता है।

दोनों ही समय इंद्रियों की क्रिया जारी रहती है। जब मैं तुम्हें देखता हूं और तुम से बात करता हूं, तो मेरी इंद्रियां और उनके बाहरी साधन, दोनों ही काम करते रहते हैं, पर जब मैं आंखें बंद कर लेता हूं और सोचने लगता हूं, तो केवल मेरी इंद्रियां ही काम करती हैं, उनके बाहरी साधन नहीं। इंद्रियों की क्रिया के बिना मनुष्य विचार ही नहीं कर सकेगा। तुम अनुभव करोगे कि बिना किसी प्रतीक के सहारे तुम विचार ही नहीं कर सकते। दृष्टिहीन मनुष्य भी जब विचार करेगा, तो किसी प्रकार की आकृति की सहायता से ही विचार करेगा। बहुधा आंख और कान, ये दो इंद्रियां अत्यधिक कार्यशील होती हैं। यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि इंद्रिय शब्द से मतलब है, हमारे मस्तिष्क में रहने वाला स्नायु–केंद्र। आंख और कान तो देखने और सुनने के साधन यंत्र मात्र हैं। उनकी इंद्रियां तो भीतर ही रहती हैं। यदि किसी कारण से ये इंद्रियां नष्ट हो जाएं, तो आंख और कान रहने पर भी न तो हमें कुछ दिखेगा और न कुछ सुनाई ही देगा। इसलिए मन पर संयम करने से पहले इन इंद्रियों पर संयम करना चाहिए। मन को भीतर–बाहर भटकने से रोकना और इंद्रियों को अपने केंद्रों में लगाए रखने का नाम शम और दम है। मन को बहिर्मुख होने से रोकना शम कहलाता है और इंद्रियों के बाहरी साधनों के निग्रह का नाम है दम। इसके बाद उपरति है, जिसका अर्थ है इंद्रिय–विषयों का चिंतन न करना। हमारा अधिकांश समय उन इंद्रिय–विषयों का चिंतन करने में ही व्यतीत होता है, जिन्हें हमने देखा या सुना है, या जिन्हें हम देखें या सुनेंगे। सारे समय हम उन्हीं की चर्चा या चिंतन करते रहते हैं। इस आदत को त्यागना होगा।

डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो से दूरी बनाने के बाद यूरोप की परीक्षा की घड़ी

1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के अस्सी साल बाद, यूरोप, विशेष रूप से पश्चिमी यूरोप अव्यवस्थित सा हो गया है, क्योंकि आठ दशकों से उनका ट्रान्साटलांटिक सहयोगी, संयुक्त राज्य अमेरिका, नये ट्रम्प सिद्धांत के तहत नाटो से संबंधित यूरोपीय देशों की सुरक्षा की गारंटी देने से इनकार कर रहा है। इससे पहले भी अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद थे, लेकिन उनका महाद्वीप की भू–राजनीति पर इतना व्यापक प्रभाव कभी नहीं पड़ा, जितना 2025 में पड़ रहा है। 17 फरवरी को नाटो और यूरोपीय संघ सहित यूरोपीय देशों के नेताओं की आपातकालीन बैठक ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई प्रभावी रणनीति बनाने में विफल रही, जिसमें यूरोपीय देशों, विशेष रूप से नाटो को अमेरिका पर निर्भर हुए बिना अपनी रक्षा प्रणाली के बारे में सोचना पड़ रहा है, जो 1949 में नाटो की स्थापना के बाद से पिछले 75 वर्षों से एक रक्षा निकाय के रूप में चलन में है। नाटो की स्थापना अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तीव्र शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में हुई थी, जिसमें पश्चिमी यूरोप नाटो के हिस्से के रूप में अमेरिका के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ था। तब से यूरोप में बड़े बदलाव हुए हैं, जिनमें 1991 में सोवियत संघ का पतन और 1991 के बाद सोवियत राज्य से अलग होकर कई स्वतंत्र राज्यों की स्थापना शामिल है। यूक्रेन उन राज्यों में से एक था। 24 फरवरी, 2022 से शुरू होने वाले यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को इस सप्ताहांत तीन साल पूरे हो रहे हैं और इसी सप्ताह, मंगलवार 18 फरवरी को, रूस के विदेश मंत्रियों और अमेरिका के विदेश मंत्री ने सऊदी अरब के रियाद में यूरोप और यूक्रेन के प्रतिनिधित्व के बिना मुलाकात की। यूरोपीय देशों और यूक्रेन के राष्ट्रपति ने संबंधित बहिष्कारों का कड़ा विरोध किया, लेकिन बैठक उनके बिना ही चली। राष्ट्रपति ट्रम्प भी नाटो या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के विचारों को ध्यान में रखे बिना, अपनी शर्तों पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के साथ आगे बढ़ेंगे। यूरोपीय नेताओं की सोमवार को पेरिस बैठक में यूक्रेन पर आने वाली वार्ता में यूरोपीय नेताओं की भागीदारी की मांग की गयी थी, लेकिन ट्रम्प ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह पहले राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे और उसके बाद जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की को बुलाया जायेगा। इस बात का कोई आश्वासन नहीं था कि यूरोपीय नेताओं को अनुवर्ती बैठकों में भी आमंत्रित किया जायेगा। इसका मतलब यह है कि ट्रम्प केवल राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत करके अनिच्छुक यूरोपीय देशों पर युद्धविराम थोपने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प के सलाहकारों और खुद ट्रम्प ने पहले ही इशारा कर दिया है कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता के बारे में भूलना होगा और राष्ट्रपति जेलेंस्की को क्रीमिया पर भी अपना दावा छोड़ना होगा, जिस पर अब रूस का कब्जा है। कुल मिलाकर, वार्ता में अन्य कब्जे वाले क्षेत्रों के मुद्दे को उठाया जा सकता है, जहां मामूली क्षेत्रीय समायोजन पर बातचीत की जा सकती है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन द्वारा बुलाई गयी पेरिस में सोमवार की बैठक में, यूरोपीय नेताओं ने तीन वास्तविकताओं को स्वीकार कियारू पहला, ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका और यूरोप अब उन मूल्यों को साझा नहीं करते हैं, जो 1945 से ट्रांसअटलांटिक गठबंधन का आधार रहे हैं। दूसरा, यूरोप अब अपने बचाव के लिए अमेरिका पर निर्भर नहीं रह सकता। तीसरा, यूक्रेन पर अमेरिकी नीति का सवाल। अमेरिकी योजना पर यूरोपीय देशों को अमेरिका द्वारा जानकारी दिये जाने की आवश्यकता है और अमेरिका को यूरोप को बातचीत की मेज पर आमंत्रित करना है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि इस समय ट्रम्प की चुनौती का सामना करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प क्या होना चाहिए। बैठक में यूरोपीय सुरक्षा गारंटी के आकलन और रक्षा के लिए अपने स्वयं के धन के आधार पर देशों द्वारा इसे किस हद तक संभव बनाया जा सकता है, इस पर तीखे मतभेद देखे गये। यूक्रेन की युद्ध के बाद की सुरक्षा गारंटी पर भी मतभेद थे। मैक्रोन ने पिछले साल यूक्रेन में एक संभावित यूरोपीय शांति सेना की संभावना का उल्लेख किया था, और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन जमीन पर सैनिकों को भेजने के लिए तैयार है। स्वीडन ने सोमवार को इस कदम का समर्थन किया। नीदरलैंड ने कहा कि यह विचार के बारे में श्नकारात्मक नहींश है, लेकिन जर्मनी ने कहा कि श्अभी समय नहीं आया हैश और पोलैंड – जो किसी भी अन्य नाटो सदस्य की तुलना में रक्षा पर प्रति व्यक्ति अपने सकल घरेलू उत्पाद का 4प्रतिशत अधिक खर्च करता है– ने कहा कि वह श्कोई भी पोलिश सैनिक भेजने की योजना नहीं बना रहा हैच। इसलिए चर्चा के अंत में जबकि यूरोपीय नेता यूरोपीय सुरक्षा बल की आवश्यकता पर सहमत हुए, वे संरचना की सटीक प्रकृति और प्रत्येक की वित्तीय जिम्मेदारी की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सके। यूरोप को यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए अपने सैन्य बल के साथ तैयार रहना होगा, अगर फरवरी के अंत में मार्च तक ट्रम्प–पुतिन की बैठक युद्ध विराम की ओर ले जाने वाले शांति सूत्र पर पहुंचती है। यह स्पष्ट है कि ट्रम्प यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की जल्दी में हैं और वे उसी स्टीमरोलर नीति का पालन करने के लिए दृढ़ हैं जिसका उपयोग उन्होंने इजराइल में युद्ध विराम के आयोजन में किया था–हमास युद्ध के बारे में। अमेरिकी राष्ट्रपति रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात करके और युद्ध विराम योजना बनाकर उसी पद्धति का उपयोग करने पर आमादा हैं, जिससे पुतिन को इस संकट से बहादुरी से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। इसके बाद ट्रंप यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से अनुवर्ती बैठक में भाग लेने और उस समझौते को बलपूर्वक स्वीकार करने के लिए कहेंगे, जैसा कि उन्होंने और उनके अधिकारियों ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और हमास नेताओं के साथ इजरायल–हमास सौदे के संबंध में किया था। यूक्रेन पर उस अंतिम वार्ता में यूरोप भागीदार हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, लेकिन तथ्य यह है कि यूक्रेन के भविष्य को निर्धारित करने में यूरोप की बहुत कम भूमिका होगी। इसका फैसला ट्रंप और पुतिन करेंगे। वैश्विक कूटनीति कुछ समय के लिए डोनाल्ड ट्रंप के इर्द–गिर्द घूमती रहेगी, जब तक कि वह कूटनीतिक लड़ाई के अगले और महत्वपूर्ण दौर के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से नहीं मिलते। यह बराबरी की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली लड़ाई और 2025 में भू–राजनीति की सबसे दिलचस्प घटना होगी।

राज्य महिला आयोग ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, सदस्य बोलीं- नहीं दर्ज हो रहे मामले

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने पुलिस पर खानापूर्ति करने का आरोप लगाया। गुरुवार को सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि महिला आयोग की तमाम शिकायतों के बावजूद वाराणसी पुलिस सिर्फ खानापूर्ति करते हुए निस्तारित कर दे रही है। उन्होंने तमाम मामलों में पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही थी। बावजूद इसके गुरुवार को उनकी तीसरी जनसुनवाई में भी वहीं फरियादी अपनी गुहार लगा रहे हैं कि पुलिस उनका मामला नहीं दर्ज कर रही है।

उन्होंने जंसा थाने में पीड़िता पूजा के मामले का हवाला देते हुए कहा कि तीन बार कहने के बावजूद जंसा पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया। मामले में उच्चाधिकारी जांच कर रहे हैं, कह कर टाल दिया। पूजा का थाने में मामला दर्ज नहीं किया गया। काफी थानों से रिपोर्ट संतोषजनक नहीं हैं। सभी मामलों में बार-बार फरियाद होती है। उन्होंने बताया, एकता श्रीवास्तव की ओर से शिकायत की गई थी उनके पति पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक पद पर हैं। चार वर्षीय पुत्री सहित मारपीट कर घर से निकालने और दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया था। अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। किरण सोसायटी के लोगों से जुड़े प्रीति सिंह के मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संध्या पांडेय ने दिव्यांग पति के संबंध में शिकायत की। इसमें अब तक कुछ नहीं किया गया। निस्तारण के कालम में जो आख्या लगाई जा रही है उसमें संतुष्टि नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्किट हाउस में हुई जनसुनवाई में कुल 25 मामले आए जिसमें 17 से अधिक मामलों पर सुनवाई की गई है। जनसुनवाई के दौरान ट्रांसजेंडर सलमा ने हंगामा किया। एक महिला को लेकर वे जनसुनवाई में पहुंचीं और उस पर हो रहे अत्याचार को लेकर हंगामा किया। जिस महिला को लेकर सलमा ने हंगामा किया वह शिकायती पत्र लाने की बात कहकर चली गई। महिला आयोग की सदस्य और सीपी से मिले भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेता महाकुंभ प्रयागराज त्रिवेणी संगम स्नान कर रही माता-बहनों-बेटियों की वीडियो और फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के विभिन्न मामलों को देखते हुए भाजपा विधि प्रकोष्ठ काशी क्षेत्र की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल ने राज्य महिला आयोग की सदस्य व पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक शशांक शेखर त्रिपाठी ने इसे साइबर अपराध के साथ-साथ भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत भी गंभीर अपराध बताया।

एवती में साढ़े चार करोड़ से बनेगा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय

कमालपुर। धानापुर विकास खंड के एवती गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भवन बनाने के लिए शासनस्तर से चार करोड़ 53 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुशील सिंह जनौली ने बृहस्पतिवार को मौके पर पहुंचकर विद्यालय की जमीन का सीमांकन करवाया। सैयदराजा के भाजपा विधायक सुशील सिंह से पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने एवती गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बनवाने की मांग की थी। इसके बाद विधायक ने एवती गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बनवाने के लिए पहल की। इसके बाद शासनस्तर से चार करोड़ 53 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। आवासीय विद्यालय बनने से क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में काफी सहूलियत हो जाएगी। इस बीच पूर्व जिपं सदस्य ने मौके पर पहुंचकर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के निर्माण के लिए अधिकारियों से साथ मौका मुआयना कर सीमांकन कराया। इस दौरान प्रधान मुकेश यादव, सहायक अभियंता अजय यादव, अवर अभियंता अरविंद कुमार के अलावा टुनटुन सिंह, अंगद सिंह, संतोष सिंह, अशोक सिंह आदि मौजूद रहे।

रनवे से उड़ान और टनल से होगी गाड़ियों की आवाजाही, मल्टी लेवल कार पार्किंग जल्द

वाराणसी। यूपी बजट में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तारीकरण पर जोर है। विस्तारीकरण के तहत मल्टी लेवल कार पार्किंग का आधार तैयार किया जा रहा है। विस्तारीकरण के बाद बाबतपुर एयरपोर्ट देश का ऐसा पहला एयरपोर्ट बन जाएगा, जहां टनल के ऊपर रनवे से विमान और नीचे से गाड़ियों की आवाजाही होगी। अहलूवालिया कंस्ट्रक्शन की ओर से मल्टी लेवल कार पार्किंग निर्माण कार्य कराय जा रहा है। हाईटेक टर्मिनल भवन भूमि को चिन्हित कर खोदाई कार्य शुरू कर दिया गया है।

विस्तारीकरण की कवायद तेजी से चल रही है।वर्तमान समय में रनवे की लंबाई लगभग 2750 मीटर है।भूमि अधिग्रहण के बाद रनवे का विस्तार होना है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि रनवे से गुजरने वाले टनल की लंबाई लगभग 450 मीटर होगी।

वहीं टनल के बीच से गुजरने वाले हाइवे की लंबाई लगभग साढ़े चार किलो मीटर की होगी, जिसके लिए लगभग 440 करोड़ रूपये खर्च होंगे। रनवे विस्तार के लिए 550 करोड़ अनुमानित लागत है। टनल निर्माण का कार्य अप्रैल से शुरू होना है, लगभग दो साल में बनकर तैयार होगा। टनल से गुजरने वाले रनवे की लंबाई 4700 मीटर होगी व एप्रन का विस्तार समांतर टैक्सी ट्रैक और लिंक ट्रैक व स्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम कैट थ्री अप्रोच लाइटिंग सिस्टम का विस्तार भी शामिल है। इस व्यवस्था के बाद बड़े विमानों में बोइंग विमानों के आवागमन व विमानों की संख्या में भी वृद्धि होगी, जिससे यात्रियों को भी आसानी व सुविधा होगी।

फंदे से लटकता मिला बीए के छात्र का शव

सकलडीहा। नोनार गांव में बुधवार की रात बीए के छात्र का संदिग्ध परिस्थितियों में गमछे के सहारे फंदे से लटकता शव मिला। घटना के समय घर में कोई नही था। पास-पड़ोस के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। गांव निवासी रामप्यारे मौर्य की तीन बेटियां किरण, सोनी, पूजा की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटा सेवालाल मौर्य (22) था। उसकी शादी नहीं हुई थी। वह अपनी मां के साथ घर पर रहता था, जबकि पिता खेत में लगे पंपिंग सेट पर ही रहते हैं। बुधवार को शाम को सेवालाल की मां मुगलसराय गई थीं। ट्रेन न मिलने के कारण वह रात में घर नही आ पाई। सेवालाल घर में अकेले था। बृहस्पतिवार की सुबह चार बजे जब मां घर आई तो सेवालाल का शव टिन शेड के पाइप में गमछे के फंदे के सहारे लटकता मिला। कोतवाल हरिनारायण पटेल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

चंदौली। प्रतापपुर गांव के समीप चंदौली-चकिया मार्ग पर बृहस्पतिवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। मौके पर जुटे लोगों में इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्रतापपुर गांव निवासी बहादुर मौर्य (60) की फत्तेपुर गांव में परचून की दुकान है। सुबह घर से दुकान खोलने के लिए निकल कर वे गांव के सड़क पर पहुंचे, उसी बीच ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया। इसके बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भाग गया। इस हादसे में बहादुर की मौके पर ही की मौत हो गई। आस पास के ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर की चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

तमिल संगमम के पांचवें दल ने बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

वाराणसी। काशी तमिल संगमम 3.0 में शामिल होने तमिलनाडु से आए पांचवें दल का बृहस्पतिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। गंगा द्वार पर डमरू निनाद के बीच उन पर पुष्पवर्षा हुई। उन्होंने हर हर महादेव... के उद्घोष के साथ धाम में प्रवेश किया। इसके बाद श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। धाम परिसर में भ्रमण कर दल अभिभूत हुआ। इसके बाद उन्होंने अन्न क्षेत्र में प्रसाद ग्रहण किया।

पेपर लीक होने पर परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम में रहेगा रिजर्व प्रश्नपत्र

मऊ। यूपी बोर्ड की परीक्षा शुरू होने में तीन दिन शेष रह गए हैं, लेकिन परीक्षा को नकलविहीन कराने की तैयारी अंतिम दौर में है। जिले में पहली बार परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूमों में डबल लॉक वाली तीन नहीं चार आलमारियां होंगी।

विश्वनाथ धाम में दर्शन से परहेज करें असक्त भक्त

वाराणसी। इस बार महाशिवरात्रि पर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ बढ़ने को देखते हुए तैयारी तेज हो गई है। पहले से चली आ रही व्यवस्था और सुदृढ़ की जाएगी। ताकि आम श्रद्धालुओं के अलावा इस दिन नागा साधुओं को दर्शन में कोई दिक्कत न हो। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन ने दर्शनार्थियों के लिए एडवाइजरी भी जारी की है। असहाय श्रद्धालु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व ऑनलाइन भी बाबा के दर्शन कर सकते हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने बताया कि महाकुंभ से महाशिवरात्रि पर और श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मंदिर प्रांगण में बैरिकेडिंग, जिगजैक बैरिकेडिंग, स्वच्छता, पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। धाम में कई जगहों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है जिससे श्रद्धालु बाबा का दर्शन सुगमता से कर सकें। इसके अलावा जरूरी सूचनाओं का माइक से प्रसारण की भी व्यवस्था है, ताकि भटके और बिछड़े लोगों को खोजने में मदद की जा रही है। महाशिवरात्रि पर भीड़ को देखते हुए दर्शन में भक्तों को लंबा समय लगेगा। इसलिए व्रत रखकर कतार में लगें। सीईओ ने बताया कि व्रती के अलावा बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांग, बीमार एवं असक्त श्रद्धालु भी कतार में लगने से परहेज करें। क्योंकि दर्शन में समय ज्यादा लगेगा। धूप होने से दिक्कत हो सकती है। मंदिर के सीईओ ने आम श्रद्धालुओं से अपील कि वे महाशिवरात्रि पर हो सके तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, यूट्यूब से भी लाइव श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन कर सकते हैं। परंपरानुसार विभिन्न अखाड़ों के नागा साधु-संत भी बाबा विश्वनाथ का दर्शन करेंगे। ऐसे में आम श्रद्धालुओं के लिए कुछ देर मंदिर में दर्शन रोका जा सकता है। इसके चलते श्रद्धालु धैर्य रखें।

ढाई घंटे तक टीम ने खंगाला इस अपार्टमेंट का फ्लैट

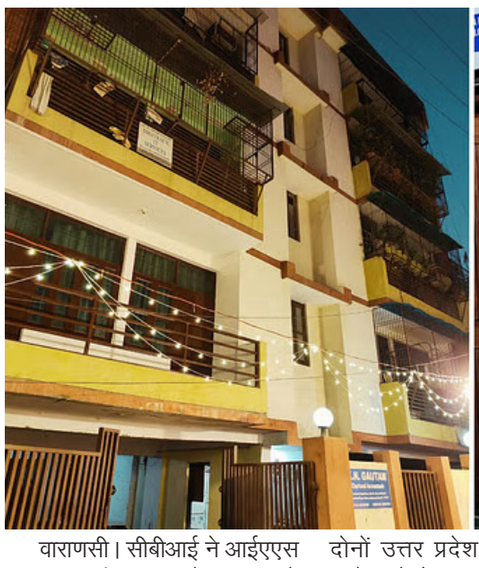

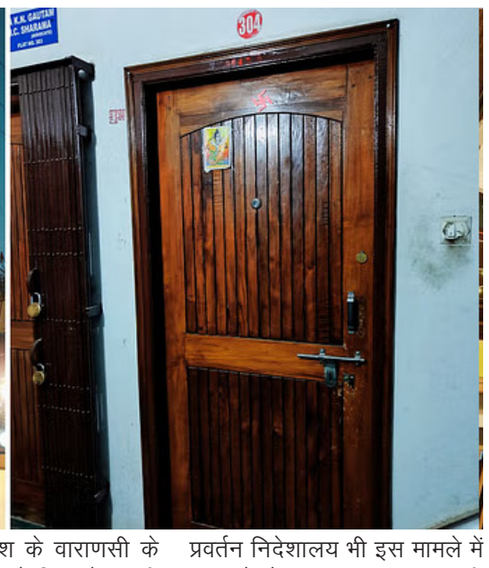

वाराणसी। सीबीआई ने आईएएस अफसर राजीव रंजन के बाद उनके दो रिश्तेदारों के खिलाफ भी आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। इनमें कृपा शंकर रॉय और दुलारी देवी शामिल हैं। ये दोनों उत्तर प्रदेश के वाराणसी के रहने वाले हैं। इनके ठिकानों पर भी सीबीआई ने बुधवार को वाराणसी में छापा मारा था। माना जा रहा है कि रंजन ने आय से अधिक संपत्ति इन लोगों के नाम पर जमा की है। प्रवर्तन निदेशालय भी इस मामले में रंजन से दोबारा पूछताछ कर सकती है। क्योंकि ईडी के रंजन का मामला पहले से दर्ज है।

राजीव इस समय जम्मू-कश्मीर श्रम विभाग के आयुक्त एवं सचिव के पद पर तैनात हैं। कुपवाड़ा के डीसी रहते उन पर गन लाइसेंस घोटाले का मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले की जांच में उनके पास आय से अधिक संपत्ति पाई गई। बुधवार को बिहार के पटना, यूपी के वाराणसी, हरियाणा के गुरुग्राम के अलावा रंजन के जम्मू और श्रीनगर स्थित कार्यालयों समेत सात स्थानों पर तलाशी ली थी। गौरतलब है कि 2012 से लेकर 2016 के बीच जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में ऐसे लोगों को गन लाइसेंस जारी कर दिए गए जो यहां के निवासी नहीं थे। ये लोग पात्रता की शर्तें भी पूरी नहीं करते थे। सूत्रों के मुताबिक 2.78 लाख से अधिक ऐसे शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए। जिम्मेदार लोगों ने लाइसेंस देने के एवज में पैसे लिए। एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक यह घोटाला 100 करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। 2019 से सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है।

स्कूलों के आसपास ऑटो ई-रिक्शा में दिखे बच्चे तो होगी कार्रवाई

मऊ। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और शिक्षा विभाग के तेवर सख्त दिख रहे हैं। शासन के निर्देश पर जनपद के किसी भी स्कूल के आसपास ऑटो या ई-रिक्शा में बच्चे दिखाई दिए तो चालक और स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी 12 थानों को पत्र भेजकर ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल के आसपास चेकिंग के लिए निर्देशित किया है। 18 और 19 फरवरी को पुलिस ने 211 वाहनों का चालान किया, इनमें 21 ऑटो और ई-रिक्शा थे। नियमों को ताक पर रखकर निजी स्कूलों में 7 और 5 सीटर वाहनों से नौनिहालों को स्कूल लाया जा रहा है। जिले के 542 निजी स्कूलों में 700 वाहन पंजीकृत हैं। ग्रामीण अंचलों में कई ऐसे निजी स्कूल हैं, जिनमें वाहन पंजीकृत ही नहीं हैं। ऑटो से ही सवारियों की तरह बच्चों को लाया जाता है। सात सीट वाली मैजिक में लगभग 15 से 18 बच्चों को ठूंसकर ले जाया जाता है। जिला मुख्यालय सहित जनपद के दर्जनों ऐसे बड़े विद्यालय हैं जहां बच्चों को लाने ले जाने के लिए ऑटो, बोलेरो और ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। नगर के कंधेरी में केंद्रीय विद्यालय है। वहां एक भी वाहन विद्यालय के नाम से पंजीकृत नहीं है। लेकिन स्कूल के अंदर और वाहर आठ से अधिक बसें, 20 ऑटो और इतने ही ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। बसों पर बकायदा केंद्रीय विद्यालय का नाम लिखा है, स्कूल के नाम से पंजीकरण नहीं होने से पता भी नहीं चल पाता कि फिटनेस है या नहीं। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि ये सभी वाहन अभिभावकों ने अपने बच्चों को लाने ले जाने के लिए बुक कराए हैं, इन वाहनों से उनका कोई लेना देना नहीं है। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए शासन ने निर्देश जारी किया है। नियम के अनुसार बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के वाहन, ऑटो, ई-रिक्शा या किसी भी छोटे वाहन स्कूली बच्चों को लाने ले जाने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। सभी थानों को अलर्ट कर दिया गया है, वो अपने आस पास के इलाकों के स्कूलों सुबह और छुट्टी होने के समय पहुंचकर चेकिंग करेंगे। बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। बिना फिटनेस प्रमाणपत्र लिए कोई भी विद्यालय बच्चों को लाने ले जाने के लिए वाहन नहीं चलाएगा। यातायात पुलिस और एआरटीओ द्वारा कार्रवाई करके सूचना देने पर संबंधित स्कूल को नोटिस जारी किया जाएगा। सहीं जवाब नहीं मिलने पर स्कूल पर कार्रवाई की जाएगी। – संतोष उपाध्याय, बीएसए, मऊ

गैर पंजीकृत पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर करें कार्रवाई

बढ़ुआगोदाम। आजमगढ़ के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. बालचंद ने बृहस्पतिवार को परदहां सीएचसी पहुंचे। सीएचसी प्रभारी डॉ. दिलीप कुमार को ब्लॉक क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे झोलाछाप के अस्पताल, गैर पंजीकृत पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच कर कार्रवाई करने को कहा। इससे पहले उन्होंने अस्पताल के वार्डों, डिलिवरी रूम, ओपीडी, फार्मेसी कक्ष, एनसीडी सेल, बीपीएमयू निरीक्षण किया। साथ ही साफ सफाई और कुछ खामियों को ठीक करने का निर्देश दिया। अस्पताल में हर्बल गार्डन लगाने और अस्पताल में एक्स-रे मशीन के लिए प्रिंटर के लिए शासन पत्र भेजने को कहा। निरीक्षण सीएचसी प्रभारी के साथ बैठक करके मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान गुड़िया सिंह, वागिसा सिंह, डा. वकार, अजीत सिंह, रेनू आदि स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

125 परीक्षा केंद्रों पर पहुंचा प्रश्नपत्र, तीन लेयर की सुरक्षा में रखी गई

वाराणसी। यूपी बोर्ड की परीक्षा 24 फरवरी से है। बृहस्पतिवार को जिले के सभी 125 केंद्रों पर बने स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्र पहुंचा दिए गए हैं। प्रश्नपत्रों को चार अलग-अलग अलमारी में रखा गया है। तीन लेयर की सुरक्षा प्रणाली के तहत निगरानी की जा रही है। पहली अलमारी में पहली पाली का और दूसरी अलमारी में दूसरी पाली के प्रश्नपत्रों को रखा जाएगा। तीसरी अलमारी खाली रहेगी, जिसमें परीक्षा के बाद बचे हुए प्रश्न पत्रों और बाइंडिंग स्लिप रखे जाएंगे। चौथी अलमारी में अतिरिक्त प्रश्न पत्र रखे गए हैं। पहले लेयर में अलमारी को दो तालों से लॉक किया गया। दूसरे लेयर की निगरानी के लिए 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। तीसरे लेयर में सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। इस बार यूपी बोर्ड की परीक्षा में 94 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रवेशपत्र का वितरण विद्यालयों की ओर से किया जा रहा है। अतिरिक्त प्रश्नपत्रों को लेकर भी खास इंतजाम किए गए हैं। हाईस्कूल के प्रश्नपत्र वाले बॉक्स पर हरे रंग का क्रॉस बॉर्डर होगा, जबकि इंटरमीडिएट के प्रश्नपत्र के बॉक्स पर नीले रंग का क्रॉस बॉर्डर होगा। दो तालों में से एक चाबी केंद्र के व्यवस्थापक के पास रखी गई है, जबकि दूसरी थाने के थानेदार के पास। पेपर लीक होने पर परीक्षा रद्द करने के बजाए माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव से अनुमति के बाद चौथी अलमारी को खोलकर अतिरिक्त प्रश्नपत्रों से परीक्षा कराई जाएगी।

पुलिस की वर्दी में बदमाशों ने 15 हजार रुपये लूटे

पीडीडीयू नगर। अलीनगर थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर लूट का गंभीर आरोप लगाया गया है। मिर्जापुर के शेरपुर निवासी अजित निषाद ने पुलिसकर्मियों पर 15 हजार रुपए छीनने का आरोप लगाया है। अजित मुगलसराय में एक होलसेल प्रतिष्ठान में मार्केटिंग का काम करते हैं। बुधवार को देर रात वे अपनी सैलरी के 15250 रुपये लेकर घर लौट रहे थे। आरोप है कि गोधना चौराहे के पास सर्विस लेन पर एक सूमो में सवार पांच पुलिसकर्मी खड़े थे। पुलिसकर्मियों ने अजित को रोका और कागजात मांगे। कागजात नहीं होने पर उन्होंने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें गाड़ी में बैठा लिया। पुलिसकर्मी उन्हें करीब तीन किमी दूर ले गए। वहां उन्होंने चार घंटे तक पूछताछ की और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद वे सैलरी के रुपये छीनकर भाग गए। उन्होंने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अलीनगर थाने में शिकायत करने को कहा। अगले दिन पीड़ित ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई है। अभी तक कोई सफेद गाड़ी नहीं दिखी है। मामले की जांच की जा रही है।

तीन दिन से लापता युवक का नहर में मिला शव

नौगढ़। सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के फुटहरवा गांव के समीप नहर में बृहस्पतिवार को एक युवक शव नहर के पानी में उतराया मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार युवक 18 फरवरी से लापता था। गुमशुदगी की रिपोर्ट चकरघट्टा थाने में दर्ज है। चकरघट्टा थाना क्षेत्र के तिवारीपुर से सटे सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज थाने के फुटहरवा गांव के समीप नहर के पानी में बृहस्पतिवार की सुबह युवक शव उतराया मिला।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। उसके पास मिले आधार कार्ड के अनुसार उसकी पहचान बीरबल पुत्र रामलाल निवासी जयमोहनी नौगढ़ के रूप में हुई। चकरघट्टा थानाध्यक्ष भूपेंद्र निषाद ने बताया कि रामलाल द्वारा 18 फरवरी को बीरबल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रामलाल ने बताया कि 14 फरवरी को उनका पुत्र बीरबल नशे की हालत में घर से लड़ाई करके भाग गया था।

फिजियोथेरेपी कराकर लौट रही महिला की हादसे में मौत

दुलहीपुर। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के पीडीडीयू नगर वाया पड़ाव मार्ग पर डांडी गांव के समीप बृहस्पतिवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई। आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को अस्पताल ले गई। जहां डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी रामसिंह कि पत्नी उर्मिला देवी (62) फिजियोथेरेपी कराने डांडी गई थीं। वहीं तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। इस हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें पीडीडीयू नगर सरकारी अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर पहुंचे दत्तक पुत्र अवधेश यादव ने बताया कि उर्मिला दुलहीपुर के डांडी में फिजियोथेरेपी कराने शाम को जाती थीं।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education

आवश्यक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएं 15.02.2025 से प्रारंभ हो चुकी हैं। बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सारणी में पहले से ही अवगत कराया गया है कि बोर्ड परीक्षाएँ प्रातः 10:30 बजे (भारतीय समय अनुसार) शुरू होंगी। अतः सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के दिन सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना आवश्यक है।

इसके साथ यह भी ध्यान दें कि पूर्व निर्धारित सारणी के अनुसार दिनाँक 25.02.2025 (विषय-सामाजिक विज्ञान, कक्षा-10) एवं दिनांक 27.02.2025 (विषय- रसायन विज्ञान, कक्षा-12) की परीक्षा देश के अन्य जनपदों के साथ प्रयागराज जनपद में भी आयोजित होगी। वहीं, दिनांक 26.02.2025 को महाशिवरात्रि के मुख्य स्नान के कारण प्रयागराज और निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी भीड़ होने की भी संभावना है।

अतः प्रयागराज जनपद में बोर्ड की मुख्य परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उक्त आयोजन के कारण विभिन्न जगहों पर भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचने की योजना पहले से बना लें और निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

क्षेत्रीय अधिकारी
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
क्षेत्रीय कार्यालय
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

cbc21107/12/0012/24-25

लिंक पर आवेदन कर शुल्क जमा कर सकते हैं।

प्रयागराज। जिन अभ्यर्थियों ने बार काउंसिल, उ०प्र० में पंजीकरण हेतु आवेदन किया है एवं साक्षात्कार स्थल पर पहुंचने में असमर्थ हैं एवं ऑनलाइन साक्षात्कार देना चाहते हैं, ऐसे अभ्यर्थियों को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा यह सुविधा प्रदान की जाती है कि वे https://forms-easebuzz-in/register/Bar3nitV/barcouncilup लिंक पर आवेदन कर साक्षात्कार के तीन दिवस पूर्व तक नियत शुल्क जमा कर सकते हैं एवं शुल्क अदायगी संबंधी रसीद एवं संबंधित प्रपत्र को डाउनलोड कर अपने ई–मेल आई०डी० एवं व्हाट्सऐप नम्बर के साथ बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश को जरिए ई–मेल barcouncilup@gmail-com पर सूचित करेंगें, जिससे अभ्यर्थी को ऑनलाइन साक्षात्कार हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस लिंक प्रेषित किया जा सके। साक्षात्कार की तिथि व समय की सूचना प्रेषित की जा सके।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन।

प्रयागराज। विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र सी एम पी डिग्री कॉलेज ने महाकुंभ मेले में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलता पूर्वक आयोजन किया।सेमिनार का विषय षविधि,स्वास्थ्य व अध्यात्म रूभारतीय ज्ञान

प्रणाली के सम्बन्ध में ष था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कुंभ मेला में स्थित कैंप में यह आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी आन लाइन तथा आफ लाइन दोनों माध्यम में किया गया। इस सेमिनार में श्रीमान अशोक मेहता,डॉ खालिद तथा रूस के भौतिक शास्त्री वैज्ञानिक माइखेल बागले ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। यह सेमिनार चार भागो में आयोजित किया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार गौतम ने किया। द्वितीय सत्र के अधयक्ष प्रो. एस के गुप्ता ने आनलाइन सेमिनार को संबोधित किया । प्रो. गुप्ता ने षीता की प्रासंगिकता वर्तमान विधिक व्यवस्था के संदर्भ मेंष विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि गीता की प्रासंगिकता न तो कभी कम हुई है न ही कभी कम होगी। गीता के सिद्धांतों को सही तरीके से लागू करने की आवश्यकता हैं। मुख्य अतिथि न्यायमुर्ति जे जे मुनीर ने कहा कि कानूनी शिक्षा व्यापार नही है। मुख्य अतिथि ने विधि तथा अध्यात्मिकता के सम्वन्ध को बताया। रूस से आये वैज्ञानिक ने शविज्ञान आध्यात्मिकता के लिएष विषय पर प्रकाश डाला। सेमिनार के संयोजक डॉ आर डी किशोर ने स्वास्थ्य सम्बंधीय विधियों पर प्रकाश डाला तथा विधि के विद्यार्थीयों को लेकर विधिक जागरुकता कैम्प कुम्भ मेले मे आयोजित किया।

हिंदी विश्वविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र को 'भारतीय सांस्ध्कृतिक एकता और महाकुंभ' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्ध्या में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्ध्थान प्रज्ञा मिश्रा, स्ध्नातक जनसंचार, द्वितीय स्ध्थान दीक्षा द्विवेदी, स्ध्नातक जनंसचार एवं तृतीय स्ध्थान विवेक सिंह, परास्ध्नातक, फिल्ध्म अध्ध्ययन ने प्राप्ध्त किया। प्रतियोगिता में स्ध्थान प्राप्ध्त विद्यार्थियों को केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने बधाई दी। भाषण प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सत्ध्यवीर तथा सह–संयोजक डॉ. सुरभि विप्ध्लव रहे।

महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुम्भ -2025 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
दिनांक 23.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
12427	रीवा-आनन्द विहार (टर्मि.)	23.02.25
12311	हावड़ा-कालका	22.02.25
12367	भागलपुर-आनन्द विहार (टर्मि.)	23.02.25
दिनांक 24.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
15159	छपरा-दुर्ग	24.02.25
01028	गोरखपुर-दादर	24.02.25
11060	छपरा-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	24.02.25
12427	रीवा-आनन्द विहार (टर्मि.)	24.02.25
12175	हावड़ा-ग्वालियर	23.02.25
12311	हावड़ा-कालका	23.02.25
12367	भागलपुर-आनन्द विहार (टर्मि.)	24.02.25
दिनांक 25.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
19484	बरौनी जं.-अहमदाबाद	24.02.25
22912	हावड़ा-इंदौर	24.02.25
19046	छपरा-सूरत	25.02.25
15159	छपरा-दुर्ग	25.02.25
01028	गोरखपुर-दादर	25.02.25
11056	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	25.02.25
12427	रीवा-आनन्द विहार (टर्मि.)	25.02.25
12311	हावड़ा-कालका	24.02.25
12367	भागलपुर-आनन्द विहार (टर्मि.)	25.02.25
22307	हावड़ा-बीकानेर	24.02.25
12349	गोड्डा-नई दिल्ली	24.02.25
12801	पुरी-नई दिल्ली	24.02.25
20801	इसलामपुर-नई दिल्ली	24.02.25
12945	वेरावल जं.-बनारस	24.02.25
दिनांक 26.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
19484	बरौनी जं.-अहमदाबाद	25.02.25
15159	छपरा-दुर्ग	26.02.25
11056	छपरा-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	26.02.25
01026	बलिया-दादर	26.02.25
12427	रीवा-आनन्द विहार (टर्मि.)	26.02.25
20975	हावड़ा-आगरा छावनी	25.02.25
20801	इसलामपुर-नई दिल्ली	25.02.25
22947	सूरत - भागलपुर	25.02.25
दिनांक 27.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
19484	बरौनी जं.-अहमदाबाद	26.02.25
19490	गोरखपुर-अहमदाबाद	26.02.25
20904	वाराणसी-एकता नगर	27.02.25
15159	छपरा-दुर्ग	27.02.25
01028	गोरखपुर-दादर	27.02.25
11060	छपरा-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	27.02.25
12427	रीवा-आनन्द विहार (टर्मि.)	27.02.25
12175	हावड़ा-ग्वालियर	26.02.25
दिनांक 28.02.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
19484	बरौनी जं.-अहमदाबाद	27.02.25
19046	छपरा-सूरत	28.02.25
12942	आसनसोल-भावनगर (टर्मि.)	27.02.25
15159	छपरा-दुर्ग	28.02.25
11056	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	28.02.25
01026	बलिया-दादर	28.02.25
18202	नौतनवां-दुर्ग	28.02.25
22912	हावड़ा-इंदौर	27.02.25
22405	भागलपुर-आनन्द विहार (टर्मि.)	27.02.25
12150	दानापुर-पुणे	27.02.25
12801	पुरी-नई दिल्ली	27.02.25
12820	आनन्द विहार (टर्मि.)-भुवनेश्वर	28.02.25
18309	सम्बलपुर-जम्मूतवी	27.02.25
12322	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)-हावड़ा	27.02.25
दिनांक 01.03.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
19484	बरौनी जं.-अहमदाबाद	28.02.25
12948	पटना जं.-अहमदाबाद	28.02.25
11062	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	28.02.25
12177	हावड़ा-मथुरा	28.02.25
12322	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)-हावड़ा	28.02.25
12323	हावड़ा-बाड़मेर	28.02.25
12496	कोलकाता -बीकानेर	28.02.25
12150	दानापुर-पुणे	28.02.25
12801	पुरी-नई दिल्ली	28.02.25
दिनांक 02.03.25 को प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी पर आने वाली रेलगाड़ियां		
18309	सम्बलपुर-जम्मूतवी	01.03.25
12815	पुरी- आनन्द विहार (टर्मि.)	01.03.25
22805	भुवनेश्वर-आनन्द विहार (टर्मि.)	01.03.25
दिनांक 25.02.25 को प्रयागराज छिवकी पर आने वाली विशेष रेलगाड़ी		
05289	मुजफ्फरपुर-पुणे	24.02.25

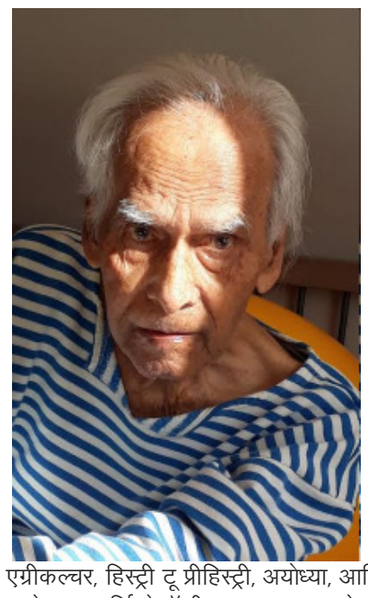

नोट: रेल यात्रियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

18004199139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 359/25(DG)

अपर महानिदेशक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

महाकुंभ नगर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के अपर महानिदेशक अजय अग्रवाल ने प्रयागराज महाकुंभ मेले में 'जनभागीदारी से जन कल्याण' विषय पर लगायी गयी डिजिटल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने इस डिजिटल प्रदर्शनी को शिक्षाप्रद एवं जनोपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की विगत दस वर्ष की उपलब्धियों, कार्यकमों, योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों को भी दर्शाया गया है जिसमें नमो ड्रोन दीदी, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, विद्याँजली, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, आजाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ–साथ नारी सशक्तिकरण एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अवलोकन कर लाभ उठा रहे हैं। उन्हांने बताया कि डिजिटल प्रदर्शनी में नई तकनीक जैसे एनामार्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर से आम लोगों को विभिन्न योजनाओं के बारे में बेहतर जानकारी मिल रही है। अग्रवाल ने बताया कि त्रिवेणी रोड सेक्टर एक स्थित महाकुंभ प्रयागराज में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लगाई गई यह डिजिटल प्रदर्शनी 26 फरवरी 2025 तक श्रद्धालुओं और आगंतुकों को जनकारी प्रदान करने के लिए देने के लिए खुली रहेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस आयोजन की रजत जयन्ती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर के उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं ने अपनी अपनी मातृभाषा का परिचय देते हुए प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को व्यवहारिक, प्रासंगिक एवं मातृभाषा के प्रति अनुराग का माध्यम बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने किसी भी अभिव्यक्ति की प्रथम भाषा मातृभाषा ही बताया। कार्यक्रम में भारत की विभिन्न भाषाओं की मिठास से सभी लोग अवगत हुए। कार्यक्रम में जहाँ जयकिशन नैनानी ने सिंधी भाषा की मधुरता से सभी को परिचित कराया वहीं बसन्त कोइराला ने अपनी मातृभाषा नेपाली में कविता पाठ किया। शालू कुमारी एवं डॉ. पंकज कुमार शर्मा मे बृजभाषा में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। सोनाली, अनुराग शर्मा एवं धीरज कुमार ने बुन्देली भाषा की अपनी अभिव्यक्ति से सभी को आनन्दित कर दिया। अवधी भाषा की अपनी अलग अलग प्रस्तुतियों द्वारा प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं दीपा शर्मा ने भाषा की गहनता से सभी का परिचय कराया। दीपा शर्मा द्वारा अवधी भाषा में की गई हास्य कविता ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। इसी प्रकार अश्विनी राजेश लंके ने मराठी, प्रो. देवदत्त सरोदे ने तमिल भाषा, अर्जुन कुमार मण्डल ने मैथिली भाषा में तथा राजेशकान्त तिवारी ने फतेहपुर की लोक भाषा में अपनी स्वरचित हास्य कविता द्वारा सभागार में उपस्थित सभी लोगों को हास्य के रंग से सराबोर कर दिया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने बंगाली भाषा में अपना उद्बोधन आरम्भ करते हुए भोजपुरी भाषा के बढ़ती लोकप्रियता से सभी को अवगत कराया। अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के गुलदस्ते में विभिन्न भाषाओं के सुन्दर पुष्प पल्लवित हुए जिनकी सुगन्ध ने समस्त परिसर को अपनी दिव्य सुगन्धा से भर दिया। समस्त उपस्थित जनों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन राजेशकान्त तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन पुरालिपि एवं हस्तलेख विभागाध्यक्ष प्रो. अपराजिता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में गंगानाथ झा परिसर के शोधविकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे, वेदविभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. शुभश्री दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, डॉ. पंकज कुमार शर्मा, अश्विनी राजेश लंके रहे।

प्रोफेसर धनेश्वर मंडल का निधन

प्रयागराज। विश्वविख्यात पुरातत्त्ववेत्ता प्रोफेसर धनेश्वर मंडल अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में अपनी बेटी डॉ वैशाली मंडल के आवास पर मंगलवार सायंकाल अंतिम सांसे ली। यह जानकारी उनके शिष्य तथा लम्बे समय तक उनके साथ कौशाम्बी

पुरास्थल घोषिताराम चौत्य–विहार की उत्खनन रिपोर्ट लेखन पर कार्य करने वाले ईश्वर शरण पीजी कालेज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ जमील अहमद ने दी। प्रोफेसर मंडल इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर थे। उन्होंने कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्वपूर्ण शोध प्रोजेक्ट पर कार्य किया । उनकी महत्वपूर्ण कृतियों में 'रेडिओकार्बन डेट्स एंड इंडियन आर्किओलॉजी, एक्सकवेशन्स एट महगड़ा, बिगनिंग ऑफ एग्रीकल्चर, हिस्ट्री टू प्रीहिस्ट्री, अयोध्या, आर्किओलॉजी आफ्टर डेमोलिशन, अयोध्या, आर्किओलॉजी आफ्टर एक्सकवेशन्स' आदि सम्मिलित है। वह कौशाम्बी के घोषिताराम चौत्य–विहार पर उत्खनन रिपोर्ट लेखन का अतिमहत्पूर्ण कार्य कर रहे थे, जो प्रकाशनाधीन है। उनके निधन से इतिहास एवं पुरातत्त्व जगत में शोक की लहर व्याप्त है।

विश्व के आधे से ज्यादा सनातनियों ने लगाई त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहे दिव्य–भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ ने शनिवार को नया इतिहास रच दिया है। यहां अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। 60 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मनुष्य के अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुम्भ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से संभव हो पाया है। भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है। दुनियाभर से आए सनातन धर्मावलंबी। महाकुम्भ के महाआयोजन में 73 देशों के राजनयिक और भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, मां जानकी के मायके नेपाल के 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर महाकुम्भ के साक्षी बन चुके हैं। पूरी दुनिया के 50 प्रतिशत से अधिक सनातनियों ने लगाई डुबकी' भारत एक धार्मिक देश है। यहां एक नहीं, बल्कि कई धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। हालांकि, इसमें सबसे बड़ी संख्या सनातन धर्म को मानने वालों की है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू, प्यू रिसर्च के मुताबिक भारत की अनुमानित जनसंख्या 143 करोड़ (1.43 अरब) है। इसमें सनातन धर्मावलंबियों की संख्या लगभग 110 करोड़ (1.10 अरब) है। इसके साथ ही पूरी दुनिया में सनातन धर्मावलंबियों की संख्या 120 करोड़ है। इस तरह अगर स्नानार्थियों की संख्या की तुलना दुनिया भर के सनातनियों की संख्या से की जाए तो 50 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग अब तक त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो यह 55 प्रतिशत हो गई है। यानी देश की कुल जनसंख्या के करीब 55 प्रतिशत से ज्यादा लोग त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। प्यू रिसर्च 2024 की रिपोर्ट मानें तो पूरी दुनिया में 120 करोड़ (1.2 अरब) आबादी सनातन धर्म को मानने वाली है। सीएम योगी की उम्मीदों के पार पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत–प्रोत साधु–संतों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शनिवार (22 फरवरी) को यह संख्या 60 करोड़ से भी ऊपर पहुंच गई है। अभी महाकुम्भ के समापन में 05 दिन शेष हैं और महत्वपूर्ण महाशिव रात्रि का स्नान पर्व बचा है। पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की यह संख्या 65 करोड़ के ऊपर जा सकती है। विभिन्न स्नान पर्वों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़। अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक करीब 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था। जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2–2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 13420242025 दिनांक : 20.01.2025

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 13.02.2025 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं : 1	निविदा नं.: 270	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 10157017.50

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर/अलीगढ़ के अधीन ट्रिम्बल जिओ वोर्सिस ट्रॉली सिस्टम का उपयोग करके प्री और पोस्ट टैंपिंग ट्रैक माप सर्वेक्षण का कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 200800.00 | कार्य समापन की अवधि : 6 माह

निविदा खुलने की तिथि : 13.02.2025

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: रेलवे लाइन का इंजीनियर सर्वेक्षण/रोडवे

बिड कैपेसिटी की आवश्यकता नहीं है। 1- ई - निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2- उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 13.02.2025 समय 13:30 बजे तक उपलब्ध है। 3- उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C. C. A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4-निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 5- किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 6 - निविदादाता को जी. सी. सी. 2022 भाग- I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 133/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

तमिलनाडु के राज्यपाल ने संगम में किया पुण्य स्नान

प्रयागराज। महाकुम्भ के पावन अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने शनिवार को संगम में पवित्र स्नान कर महापर्व की आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। उन्होंने तमिलनाडु की सुख–समृद्धि के साथ साथ सम्पूर्ण राष्ट्र के कल्याण के लिए विशेष प्रार्थना की। राज्यपाल ने कहा कि महाकुम्भ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र है। जो एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सुदृढ़ करता है। राज्यपाल ने महाकुम्भ को सनातन संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति बताते हुए कहा कि यह पर्व भारत की अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा इसकी सनातन परंपरा में बसती है। महाकुम्भ उस परंपरा का ऐसा प्रतीक है जो पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोता है। 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी। महाकुम्भ के महापर्व में अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह संख्या महाकुम्भ की दिव्यता और जन–जन की आस्था का जीवंत प्रमाण है। राज्यपाल ने कहा कि यह पर्व न केवल आत्मिक शुद्धि का अवसर है, बल्कि विश्व कल्याण की भावना को भी मजबूत करता है।भारत की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र। राज्यपाल आर.एन. रवि ने कहा कि महाकुम्भ भारत की गहराई से जुड़ी आध्यात्मिक चेतना को प्रकट करता है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062